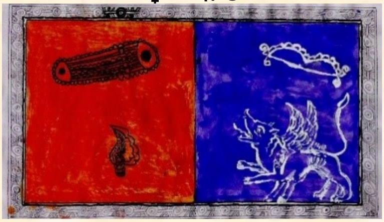
ISSN [illegible] VIDEHA X
[illegible]
[illegible]
(www.videha.co.in [illegible])

[illegible]



[illegible]

[illegible]



[illegible] (©) [illegible]

[illegible] (c)
http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html [illegible]
[illegible], http://www.geocities.com/ggajendra
[illegible]
bhalsar/[illegible]/http://gajendrathakur.blogspot.com
[illegible] ik-gachh.html
[illegible])
bhalsarik-gachh.html/[illegible]/http://videha.com
wayback machine of [illegible]
[illegible] https://web.archive.org/web/*/videha
/http://videha.com -[illegible] to [illegible] capture(s) from
[illegible]
[illegible] /http://www.videha.co.in
[illegible]

ISSN [illegible] (c)
[illegible] (since) X VIDEHA[illegible]
Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials [illegible]
e-published in Videha, the Editor, Videha holds the

right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these [illegible] .archives
[illegible]
[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com
[illegible]
[illegible] www.videha.co.in

at [illegible] .Videha e-Journal: Issue No
www.videha.co.in



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

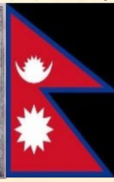
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

The Secretary, All India [illegible]

Maithili Sahitya Samiti,

B, Sir P.C. [illegible] ,Tirbhukti

-Banerjee Road, Allahabad

[illegible]

The General Secretary, [illegible]

Akhil Bharatiya Maithili

Sahitya Parishad, C/o Dr.

Ganapati Mishra, Lalbag, ;X00 ҥX33ɣXX-Darbhanga

The Secretary, Chetna .ш Samity, Vidyapati Bhawan, ɣXX-Vidyapati Marg, Patna ;J00

The Secretary, Mithila .X B, ҥX ,Sanskritik Parishad -Kailash Saha Lane, Kolkata ;шX00 ɣшX

The Secretary, Vidyapati .JX Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, ;X00 ҥX33ɣXX-Darbhanga

The Secretary, Centre .ҥX

for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, [illegible]-Madhubani

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

The General Secretary, ([illegible]) Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi

West Opp. of Primary -School,Darbhanga (Bihar) ,ꓫ00 ꝩꓫ33ᛧꓫꓫ
The Secretary, Chetna (ꝩ Samiti, Vidhya Pati Bhavan, ᛧꓫꓫ-Vidyapati Marg, Patna (Bihar) ꞁ00
The Secretary, Mithila (ꟺ B, ꝩꓫ ,Sanskritik Parishad -Kailash Saha Lane, Kolkata (West Bengal) ,ꟺꓫ00 ᛧꟺꓫ
The Secretary, Vidhya (ꓫ Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, ,ꓫ00 ꝩꓫ33ᛧꓫꓫ-Darbhanga

(Bihar)
The Secretary, Anand, (ꞁX
Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), ,X00 ꟼX33ɺXX-Darbhanga (Bihar)
The General Secretary, (ꟼX
Mithila Sanskritik Parishad, Sahara ,ꟼƆ3ଧꞁX Roseberi ꟼ-Garden City, Adityapur ,XƆ0 ꞁƆ3ɺXX-Jamshedpur (Jharkhand)
The General Secretary, (ሥX
Akhil Bharatiya Mithila

Hans Bhavan, [illegible]-Sangh, G
I.T.O., Bahadurshah [illegible] Wing
[illegible]-Zafar Marg, New Delhi
(Delhi) [illegible]00
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
A [illegible]
Parallel History of Maithili

Literature

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

([illegible]) [illegible]

[illegible]

([illegible])



[illegible]

([illegible])

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

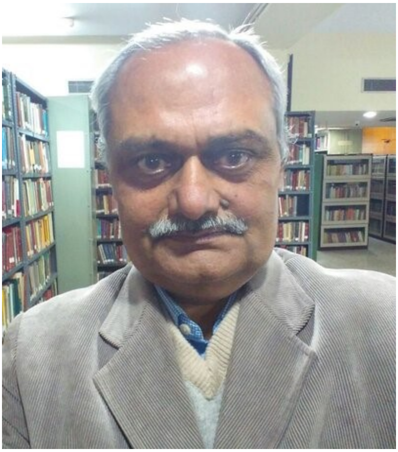
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

"[illegible]"

"....... [illegible]"

....

[illegible]

....

[illegible]

"? [illegible]" -[illegible]

....

[illegible]

"! [illegible]

[illegible]

"! [illegible]"- [illegible]

[illegible]

....

[illegible]

[illegible]

"[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]

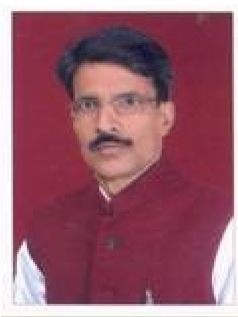


[illegible]

[illegible]
writetokmanoj@gmail.com

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]

(1)

कथा- 'पाथर'

ओहि परोपट्टामे मिथलेश बाबूक मकानक जोड़ा नहि छल. दूरहिसँ पता चालि जाइत छल. ठोसक कोनो जवाब नहि। झाँटि-बिहाड़िमे पहाड़ जेकाँ ठाड़. न टस-सँ-मस। मकान एतेक चर्चित छल - जे टोलक नामे मिथिला टोल पड़ि गेल।

मिथलेश बाबूक दलान, खरिहिआन आ घर सभ बड़ भव्य छल - दलान आ खरिहिआन बेस नमहर। टोलमे कोनो शादी-बिआह हुअए तड बरिआतिक मेल हुनकरे दलानक आश्रय छल। हुनकर दलान कतेको बेटीकें कन्यादान करवा चुकल छल। लगनक समयमे हुनकर दलानक स्वरूप रंगीन भड जाइत छल. वसंतक बयार बहए लागैत छल। चूँकि ओहि टोलमे तेहन कोनो तरहक स्थान नहि छल जतड कि कोनो तरहक सामाजिक उत्सवक आयोजन नीक जेकाँ कएल जा सकैत छल, नहि तड कोनो तरहक जनवासा छल आ नहि तड कोनो तरहक स्कूले छल। हालाँकि एकटा मिडिल स्कूल छल मुदा ओ टोलसँ दूर. बाधमे छल. जेकर कि शादी-बिआहमे कोनो उपयोगीता नहि छल।

मिथलेश बाबूक जमानामे मखान खरइ वाला मल्लाह सभ मखानक समयमे, हुनके दरवाजा पर डेरा देने रहैत छल। टोलमे कोनो पंचैती हुअए तड मिथलेश बाबूक दलान पर पंचायतक बैठाड़ होअए।

भदबरिआमे जखन बदरी लागि जाइत छल, तड चारि-पाँचटा ताशक पार्टी गुलाम-बीबी-एक्का-दहलाक गणितमे ओझरायल. अपना जोड़ीकें जीतेबाक दावेदारीमे एड़ी-चोटीक जोर लगाबए।

(२)

करबनो-काल बीच-बीचमे माहौल गरमा जाइत छल। कौनो-कौनो पार्टी क्षणिक आवेशक बादमे भसिया कऽ उकटा-पैंची करऽ लागैत छल। लोक क्षणिक आवेशमे केहन उग्र रूप धारण कऽ लैत अछि आ केहन विकट परिस्थिति आबि जाइत अछि। एकर छोट-मोट उदाहरण एहिठाम देखबाए पड़ैत छल। मुदा, अंतमे सभ किछु शान्त भऽ जाइत छल।

मिथिलेश बाबूक आदत छलन्हि - दू टाइम चाय पीबाक - भोर आ साँझमे। ओहि टाइम दलान पर जे कोइ व्यक्ति उपस्थित रहथि, हुनका चाय मिलनाए अनिवार्य बूझू। ताहि हेतु कतेको लोक चाहक लोभे दरबाजा पर पेटकुनिआ देने रहथि।

दलानक आगूमे खरिहिआन बेस नमहर छल। खरिहिआनक चारू काते बेली, चम्पा-चमेली, गुलाब, सिंगहार, अड़हुल आदि फूलक गाछ लागल। खरिहिआन कम पुष्पवाटिका अधिक बुझाइत छल। खरिहिआनक चारू काते बाँसक जाफरी लागल आ दूटा गेट छल। दूनू गेट पर अशोकक गाछ- ई गाछ आगान्तुक स्वागतमे सदिखन तैयार रहैत छल। केहनो तमसाएल व्यक्ति हुनकर दरवाज़ा पर पहुँचि जाइत छल तऽ हुनकर तामस छू-मंतर भऽ जाइत छल। हुनकर दलानक हवामे एकटा दोसरे मदिरा मिश्रित छल जाहि मदिराकेँ पान करलाक उपरान्त मदिरा तामससँ प्रतिक्रिया कऽ तामसकेँ उदासीन बना दैत छल। खरिहिआनक एक कातमे चापाकल छल, जेकर शीतल आ मधुर जलसँ लोक तृप्ति होएत छल।

छलानक बगलसँ आँगन जएबाक रास्ता छल।

(३)

एहि प्रकारे पूरबसँ दलान आ एकटा घर, उत्तरसँ दूटा घर, पश्चिमसँ दूटा घर आ दक्षिणसँ दूटा घर— सभटा पक्का-पाखरिया-पाटन। चारू कातसँ घर, बीचमे आँगन बेस नमहर। पछबरिया आ उत्तरबरिया कोनमे छत पर जएबाक लेल सीढ़ी छल। घर सभ बेस ऐंल-फैल आ बड्ड सुन्दर। घरमे सुख-शांतिक सरिता बहैत छल।

मिथलेश बाबूक स्वभाव बड्ड नीक, हुनक स्वभावमे शामिल छल- शांतचित्त, समाजसेवी, उदारचित्त, परोपकारी, सामाजिक कार्यमे सदिखन आगू रहब, कन्याकेँ शिक्षामे आगू करएमे विशेष योगदान - सचमुच गौ आदमी। तहने हुनकर धर्मपत्नी - सुशीला देवी। मिथलेश बाबूक खेती-बाड़ी बड्ड विशाल, दरवाजा पर सदिखन एकटा महीस आ एकटा गाय - दूधक लेल। जहियासँ ट्रैक्टर खरीद लेलन्हि ओहि दिनसँ बथान बरदविहीन भऽ गेल।

मिथलेश बाबूकेँ दूटा बेटा - नरेश आ गणेश। दुनूटा बेटा नान्हिटासँ बदमाश - एकटा अगत्ती तँ दोसर खुरलुच्ची। मिथलेश बाबू कतेक प्रयास कएलन्हि - जे बेटा पढ़ि-लिखि मनुक्ख बनि जाए। मुदा दुनू बेटा शपथ खा लेने छल कि सूरज देवता पूरबसँ पश्चिममे उगऽ लगताह, पढ़ब नहि, चाहे जे किछु भऽ जाए। हालाँकि मिथलेश बाबू पढ़ाबऽ खातिर दरवाजा पर एकटा मास्टर साहेबकेँ सेहो रखलन्हि, मुदा परिणाम विपरीते रहल। एतेक धरि सफलता भेटल, जे खीचि-तीरि कऽ नरेश आठवाँ तक आ गणेश सातवाँ तक पढ़िकऽ अंगूठा छाप कलंककेँ धोइ देलक

(4)

आ साक्षर बनि गेल। दूनूटा बेटा टोलक लुच्चा-लफंगाक सत्संगमे पड़िकऽ सुपुत्रसँ परिवर्तित भऽ कुपुत्र बनि गेल। दूनूटा बेटा बाइक लऽ कऽ दिनभरि चौक-चौराहा आ बाजारमे छिछियाइत रहैत छल। चौकक चाहक दोकान पर गुलछर्रा छोड़इत आ राजनीति पर बकर्छोडी करैत अपनाकेँ राजनेता सिद्ध करबाक विफल प्रयास करए। मिलै-जुलै कऽ ई दिनचर्या बनि चुकल छल। दूनू बेटाक क्रियाकलाप देखिकऽ मिथलेश बाबूक आ हुनक पत्नीकेँ टेंशन बढ़ल जाइत छल। अंतमे कनिआ परामर्श देलखिन्ह - "जे नरेशकेँ विवाह कऽ दिऔक। शायद घर-गृहस्थीमे ओझरा कए सुधरि जाए।" मिथलेश बाबू नरेशकेँ विवाह कऽ देलखिन्ह। मुदा नरेश खेती-गृहस्थी देखबाक बदला कनियामे ओझरा गेल, कनियाकेँ आगू-पाछू करए लागल, दिनभरि कनियामे सटल रहैत छल। मतलब कनियाकेँ बॉडीगार्ड बनि गेल।

गणेशाक सेहो विवाह करबाक वयस भऽ गेल छल। गणेशाकेँ पड़ोसक गाम करनौतीमे एकटा दोसर जातिक कन्यासँ प्रेम-प्रसंग चलैत छल। लड़की नव सांस्कृतिक रंगमे रंगल छल जेकरा ऊपर पाश्चात्य सांस्कृतिक मैल जमल छल, फैशनक बोखार लागल छल लड़की ऊपरसँ गोर मुदा भीतरिया कारी। एहि प्रेम-प्रसंगक बिहाड़ि कतेक बेर उठि चुकल छल। अड़ोस-पड़ोसमे, चौक-चौराहा पर आ मौगी-मेहरमे सेहो कानाफूसी होमऽ लागल छल। एहि तरहक प्रेम-प्रसंगक चर्चा आगिक लपेटि जेकाँ बहुत तेजीसँ फैलि जाइत अछि। गामक चौक पर एहन खबरिकेँ लोक नूनगर-चहटगर बनाकऽ खूब सुनाबैत अछि, जेना-आइ दूनूटाकेँ

⑤

ओहि बाधमे देखलहुँ. काल्हि बाजारक सिनेमा हॉलमे आ परसू मंदिरक पछुआड़मे। मिथिलेश बाबूकेँ सेहो एहि खबरिकेँ बारेमे एक दिन पता चलि गेल। मिथिलेश बाबू आ हुनक पत्नी गणेशकेँ कतेक बेर समझेबाक प्रयास कएलन्हि परञ्च गणेश नहि मानलक। अंतमे मिथिलेश बाबू मर्माहत भऽ गेलाह आ गणेशकेँ बिआह कऽ देखलन्हि।

वर्ष धरि घर-गृहस्थी सभ ठीके-ठाक चालि रहल छल। बरखक बादमे घरमे खटपटक सुगबुगाहट होमए लागल। दुनू पुतोहु आ सासमे अनबन शुरू होमए लागल. करखनो काजक लेल आ करखनो कोनो वस्तुक लेल। धीरे-धीरे ई अनबन कहियो-काल महाभारतक रूप लऽ लैत छल। घरमे जतऽ शांतिक सरिता बहैत छल ओतऽ आब अशांतिक आगि लागि गेल। लोक चाहे तऽ नमहर बातकेँ परदासँ झाँपि कऽ ओकरा फुसि बना सकैत अछि आ छोट बातमे मिरचाइ लगाकेँ ओकरा बतंगड़ बना सकैत अछि। जाधरि लोक परिवार आ समाजमे सामंजस्यताक जाल नहि बीनत ताधरि सुख-शांतिक कल्पना करब असंभव अछि। रोज-रोज कलहसँ त्रस्त भए मिथिलेश बाबूक ब्लडप्रेशर हाई रहए लागल. ओ अस्वस्थ भऽ गेलाह। एक दिनक दिलक दौरा पड़लन्हि ओ कालक गालमे समा गेलाह आ स्वर्गवास भऽ गेलाह। एहि सदमासँ पीड़ित हुनक पत्नी अस्वस्थ रहए लगलीह ओ सेहो एक दिन भगवानक घर विदा भऽ गेलीह।

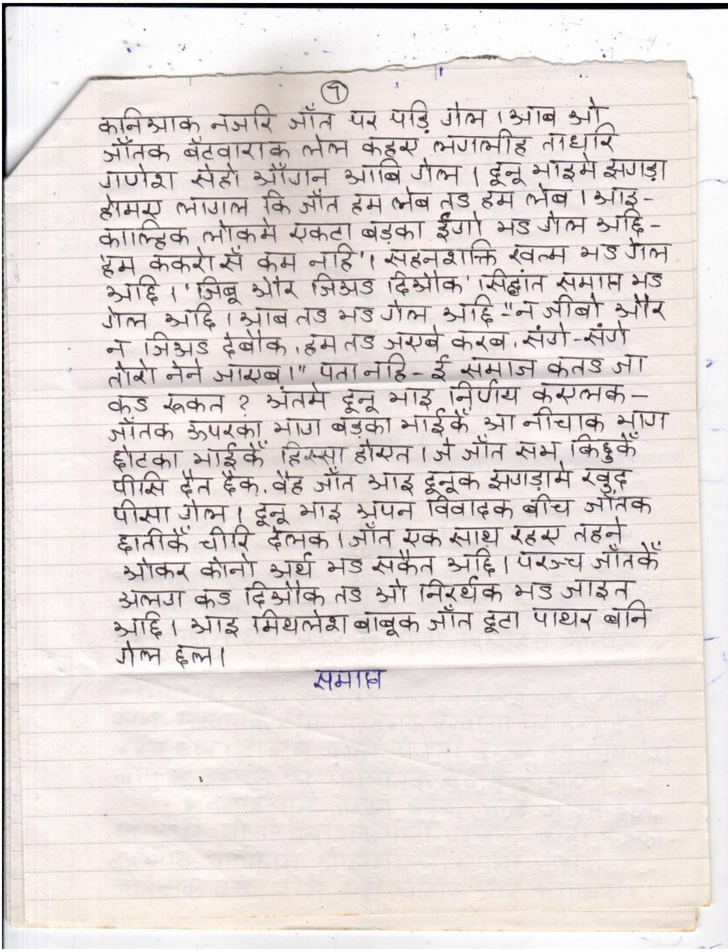
सभ किछु समय पर हुअए तऽ नीक लगैत अछि

(6)

मुदा समयसँ पूर्व होएब आ समयक उपरान्त तऽ
लोकक दिलमे कचोट होइत अछि। ईश्वरक नियमक
चक्र समयानुकूल घूमैत अछि, सभ किछु नियत
समय पर होइत अछि - समय पर सर्दी, समय पर गर्मी
आ समय पर बरसात। मुदा हमरा लोकनि स्वार्थसँ
वशीभूत भऽ कऽ प्रकृतिकेँ साथ छेड़छाड़ करैत छी।
ताहि हेतु परिणाम विपरीत आबि जाइत अछि।

एहि बीच नरेशकेँ एकटा बेटा भऽ गेल आ गणेशकेँ
एकटा बेटी जन्म लेलक। आब घरक महाभारत
विकराल रूप धारण कऽ लेलक, रोज कोनो-न-कोनो
फसाद, पानि माथसँ ऊपर भेल जा रहल छल।
दुनू भाइ सेहो एक-दोसरकेँ देखऽ नहि चाहैत छल।
अंतमे निर्णय भेल - रवि दिन पाँचटा पंच बजाकऽ
सभ किछुक बँटवारा कऽ देल जाए। रवि दिन साँझखन
पंच सभ अएलाह - बँटबाक प्रक्रिया शुरु भेल।
खेत-पथारि, कलम-गाछी, घर-द्वारि सभ किछुक
बँटबारा भऽ गेल। बड़का बेटाकेँ तीनटा घर, छोटका
बेटाकेँ तीनटा घर, दलान साझिआ आ एकटा घरक
दाम लगाएल गेल। काल्हि तक जे सभ किछु एक
जगह छल आइ ओ सभटा दू जगह भऽ गेल, एक-
दोसरसँ सभ किछु अलग भऽ गेल। बँटैत-बँटैत
राति भऽ गेल आ पंच सभ अपन-अपन घर चलि
गेलाह।

दरवाजा परसँ नरेश आँगन आएल, अपना हिस्सामे
पड़ल उत्तरबरिया घरक दुहारि पर पड़ल जाँत पर
ओकर नजरि पड़ि गेल। एखन धरि जाँतक बँटबारा
नहि भेल छल, जाँतपर ककरो नजरि नहि गेल छल।
नरेश जाँतकेँ घरमे राखऽ लागल, तखने गणेशक



(७)

कनिआक नजरि जाँत पर पड़ि गेल। आब ओ जाँतक बँटवाराक लेल कहए लगलीह ताधरि गणेश सेहो आँगन आबि गेल। दुनू भाइमे झगड़ा होमए लागल कि जाँत हम लेब तँ हम लेब। आइ-काल्हिक लोकमे एकटा बड़का ईगो भऽ गेल अछि- हम ककरोसँ कम नहि'। सहनशक्ति खत्म भऽ गेल अछि। 'जिबू और जिअऽ दिऔक' सिद्धांत समाप्त भऽ गेल अछि। आब तँ भऽ गेल अछि "ने जीबो और न जिअऽ देबौक, हम तँ जएबे करब, संगे-संगे तोरो नेने जाएब।" पता नहि- ई समाज कतऽ जा कऽ रुकत? अंतमे दुनू भाइ निर्णय कएलक- जाँतक ऊपरका भाग बड़का भाईकेँ आ नीचाक भाग छोटका भाईकेँ हिस्सा होएत। जे जाँत सभ किछुकेँ पीसि दैत छैक, वैह जाँत आइ दुनूक झगड़ामे खुद पीसा गेल। दुनू भाइ अपन विवादक बीच जाँतक छातीकेँ चीरि देलक। जाँत एक साथ रहए तहने ओकर कोनो अर्थ भऽ सकैत अछि। परञ्च जाँतकेँ अलग कऽ दिऔक तँ ओ निरर्थक भऽ जाइत अछि। आइ मिथलेश बाबूक जाँत टूटा पाथर बनि गेल छल।

समाप्त

gmail.com@33shivshankar00

editorial.staff.videha@gmail.com



[illegible]

[illegible] (Amitabh Bachchan) [illegible] '(Kaun Banega Crorepati) [illegible] "[illegible]" [illegible] (Amitabh Bachchan KBC) [illegible] (A' [illegible] (B [illegible] (C [illegible] (D [illegible] D [illegible]

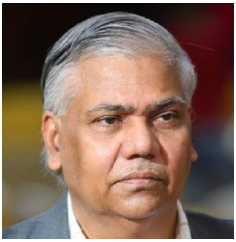
UƆ333fZUPJSIXhttps://www.youtube.com/watch?v=r

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]



[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]



[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]
[illegible]

हम मिथिला के वासी ,

बाजब हम्मर मैथिली अछी।

मंडन मिश्र के आंगन में भारती ,

शंकराचार्य के हरौलन अछी।

विद्यापति लेल जहां महादेव ,

उगना बनी ऐला।

एहन मिथिला गाम हम्मर ,

जहां सीता मां जन्म लेला।

थानेश्वर , कुशेश्वर अछी ,

बाबा के धाम ।

उच्चैठ, श्यामा आ अहिल्या ,

माता के स्थान ।

माछ, दही , पान, मखान ,

अछी भोजन प्रधान।

पाग, खराम से होई छइ ,

हम्मर अप्पन पहचान।

कोशी , कमला , बलान बहै ,

झिझरी , कज्री , सामा गीत।

मधुबनी पेंटिंग विश्वविख्यात ,

आ जाट - जट्टीन खेल।

मिथिला हम्मर जन्मभूमि ,

ई हम्मर पहचान अछी।

सदीखन मिथिला आगु बडा,

मनक इच्छा प्रधान अछी।

समता कुमारी

शिक्षिका, समस्तीपुर, बिहार।

।

[illegible]

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]



[illegible]



[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

([illegible])

[illegible] editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]


Videha
e-Learning
Gajendra Thakur